मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

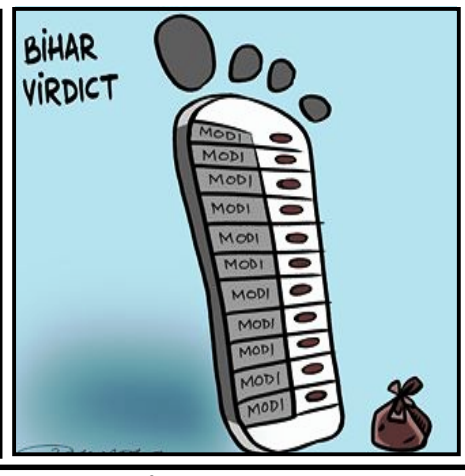

करनाल का मोर्चा	3
आरएलआई में आरामतलबी ज्यादा	4
हरियाणा में नकली शराब के धंधे के पीछे कौन	5
मुंह में राम बगल में नीतीश कुमार	6
बरोदा उपचुनाव विश्लेषण	8

वर्ष 34 | अंक 1 | फरीदाबाद | 15-21 नवम्बर 2020 | फोन-8851091460 | ₹ 3.00

गरीब छात्र-छात्राओं की मदद का जुनून हो तो ऐसा

मोबाइल फोन बैंक : आनलाइन पढ़ाई पूरी कराने के लिए डीईईओ रितु चौधरी का मिशन

यूसुफ किरमानी

फरीदाबाद: अगर आपके दिल-दिमाग में समाज के लिए, देश के लिए, शहर के लिए, गरीबों के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो तो किसी भी तरह की अड़चन आपका रास्ता रोक नहीं सकती। फरीदाबाद में एक महिला अधिकारी तमाम आत्म प्रचार से दूर बड़ी खामोशी से इस काम को अंजाम देने में जुटी हुई हैं। उनकी पहल ने कई स्कूली बच्चों की जिन्दगियां बदल दी हैं। यह काम वो अब से नहीं बल्कि पिछले बीस साल से कर रही हैं। हम बात कर रहे हैं डिस्ट्रिक्ट एलीमेंट्री एजुकेशन आफिसर (डीईईओ) रितु चौधरी की, जिनकी वजह से कई बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर बनकर देश और समाज की सेवा कर रहे हैं। लेकिन इस समय उनके जिस काम की सबसे ज्यादा चर्चा है, वह है मोबाइल फोन बैंक।

एक कार्यक्रम में छात्राओं को मोबाइल देतीं डीईईओ रितु चौधरी

क्या है मोबाइल फोन बैंक

कोविड19 जब फैला तो तमाम लोगों की नौकरियां चली गईं। इससे बच्चों की पढ़ाई लिखाई प्रभावित हुई। आनलाइन शिक्षा ने स्मार्ट फोन की जरूरत महसूस कराई। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के पास तो स्मार्ट फोन पहले से ही मौजूद है लेकिन असली समस्या आई हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले किसान, मजदूरों, निम्न आय वर्ग और झुग्गी-झोंपड़ी के बच्चों के सामने। खासकर उन बच्चों के जिनके माता-पिता में किसी का साया उनके सिर से उठ चुका है, ऐसे बच्चों के सामने यह समस्या तो और भी गंभीर थी। रितू चौधरी उस समय गुड़गांव में तैनात थीं और अब फरीदाबाद में हैं। लेकिन उनको आइडिया गुड़गांव में आया कि क्यों न सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और एनजीओ की मदद से एक सेलफोन बैंक बनाकर ऐसे बच्चों को मोबाइल देकर उनकी आनलाइन पढ़ाई का बंदोबस्त किया जा सके। जुलाई में जब कोरोना अपने उच्चतम स्तर पर था तो उनका सेलफोन बैंक चालू हो चुका था। वो खुद और उनकी टीम के शिक्षक सरकारी स्कूलों में घूम, घूमकर ऐसे बच्चों को तलाश रहे थे और उन्हें मोबाइल फोन बांट रहे थे।

अगस्त में जब वह तबादला होकर फरीदाबाद आ गईं तो उन्होंने इस काम को और भी व्यवस्थित रूप दे दिया। उन्होंने बल्लभगढ़ और फरीदाबाद के 8 प्रिंसिपलों और लेक्चरर्स की एक कमेटी बनाई और उनसे 7वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक ऐसे गरीब प्रतिभाशाली बच्चों को सरकारी स्कूलों में तलाशने को कहा, जो पढ़ाई में होशियार हों, आर्थिक स्थिति अच्छी न हो, परिवार में माता-पिता न हों या इनमें से कोई एक न हो। बच्चियों पर सबसे ज्यादा ध्यान देने को कहा गया। कमेटी से स्पष्ट शब्दों में कहा गया कि गरीब परिवारों की लड़कियों को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाए। यहां तक किसी घर में दो या उससे ज्यादा लड़कियां हों तो उन्हें जरूर शामिल किया जाए।

फरीदाबाद जिले में प्राइमरी, मिडिल और सीनियर सेकेंडरी मिलाकर 500 से ज्यादा स्कूल हैं। अभी तक 120 मोबाइल बांटे जा चुके हैं और दिवाली के बाद जिलास्तरीय कार्यक्रम में बड़ी तादाद में लड़के-लड़कियों को मोबाइल बांटे जायेंगे। इस संवाददाता ने ऐसे बीस बच्चों की लिस्ट लेकर उनका खुद भी सत्यापन किया। इसमें 16 लड़कियां थीं और 4 लड़के थे। ये तमाम बच्चे एनआईटी 3, 21 डी, सराय ख्वाजा, भाकरी, तिगांव, तिलपत, बदरपुर, बल्लभगढ़, नंगला जोगियान, सेक्टर 8, 9, सेक्टर 55, 56, 57 आदि इलाकों में रहते हैं। इनमें ज्यादातर बच्चों के मां या पिता की मौत हो चुकी है।

आगे और क्या इरादा है

डीईईओ रितु चौधरी अब एक 'कर्मा बैंक' (Karma Bank) बनाने जा रही हैं, जिसके जरिए गरीब परिवार के जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी, किताबें, रबड़, पेंसिल, बैग आदि देकर उनकी पढ़ाई का सिलसिला जारी रखने की कोशिश की जाएगी। कोरोना की वजह से बहुत सारे घरों में लोगों के पास आय के साधन नहीं हैं या कम हो गये हैं। अभिभावक स्टेशनरी तक खरीदने की स्थिति में नहीं हैं। इसी के मद्देनजर वह कर्मा बैंक बनाने जा रही हैं। इसमें शिक्षकों, एनजीओ और समाजसेवियों की मदद ली जाएगी। जो लड़कियां पैसे के अभाव में पढ़ाई छोड़ रही हैं या इस बारे में सोच रही हैं, उनकी मदद सबसे पहले की जाएगी। रितु चौधरी कहती हैं कि लड़कों की पढ़ाई तो अभिभावक किसी भी तरह मैनेज करने की कोशिश करते हैं लेकिन लड़कियों की पढ़ाई ऐसे में नजरन्दाज हो जाती हैं। ऐसे परिवारों की बच्चियां 10वीं या 12वीं से आगे नहीं पढ़ पातीं। कर्मा बैंक उनकी मदद के लिए आगे आयेगा।

नया नहीं है ये जुनून

गरीब परिवारों के बच्चों की जिन्दगी बदलने का जुनून रितु चौधरी को उस समय से है, जब वह सराय ख्वाजा के सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल थीं। वहां उन्होंने अपने वेतन से और कुछ साथी लेक्चरर्स की मदद से गरीब होनहार बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए फीस के पैसे दिए। जिन बच्चों ने तकनीकी शिक्षा हासिल करनी चाही, उनकी मदद की गई। 14 नवंबर 2014 में बाल दिवस वाले दिन उन्होंने %बाल विकास अभियान% शुरू किया। इसके लिए एक कोष स्थापित किया। जिसमें वह और कुछ

शेष पेज दो पर

निकिता केस : चार्जशीट से 'लव जिहाद' गायब

परिवार मांग रहा 1 करोड़ रुपये और सरकारी नौकरी !!

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: निकिता तोमर के परिवार ने हरियाणा सरकार से आर्थिक मदद के तौर पर 1 करोड़ रुपये मांगे हैं। इसके अलावा उसके भाई के लिए सरकारी नौकरी और कॉलेज का नाम निकिता के नाम पर रखे जाने की भी मांग की गई है। बल्लभगढ़ के अग्रवाल कॉलेज के पास छात्रा निकिता तोमर की हत्या के मामले में अदालत में दाखिल चार्जशीट में कहीं भी लव जिहाद का जिक्र तक नहीं है। हालांकि हरियाणा सरकार ने इस मामले की जांच लव जिहाद के नजरिए से करने का बयान दिया था। लेकिन फरीदाबाद पुलिस को चिराग लेकर तलाशने पर भी लव जिहाद का कोई सबूत नहीं मिला।

21 साल की निकिता तोमर की हत्या 26 अक्टूबर को उस समय हुई जब वह परीक्षा देकर बाहर निकली। आरोप है कि तौसीफ नामक युवक ने उससे कार में बैठने को कहा। उसके मना करने पर तौसीफ ने

बिल्कुल सामने से निकिता को गोली मारी और अपने दोस्त रेहान के साथ कार में बैठकर फरार हो गया। बल्लभगढ़ पुलिस ने मात्र पांच घंटे के अंदर तौसीफ और रेहान को नूंह से गिरफ्तार कर लिया। घटना की सूचना जब फैली और आरोपी के नाम मुसलमान निकले तो दक्षिणपंथी संगठन फौरन इसमें लव जिहाद लेकर कूद पड़े। यहां यह बता देना उचित होगा कि इस घटना की वीडियो रेकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर तुरंत ही आ गई थी। निकिता के घर वालों और पुलिस को शुरू से ही मालूम था कि ये किस तरह का मामला है, लेकिन हिन्दूवादी संगठनों के दबाव पर निकिता के माता-पिता ने भी इसे लव जिहाद कह दिया। हालांकि जब निकिता और तौसीफ की 2018 की कहानियां सार्वजनिक हुईं और निकिता घर छोड़कर तौसीफ के साथ चली गई तो निकिता के घर वालों ने इसे लव जिहाद कहना बंद कर दिया। लेकिन हिन्दूवादी संगठन नहीं माने। बाद में जब कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष कुमारी शैलजा निकिता के घर दुख जताने पहुंचीं तो हिन्दूवादी संगठन के मुट्ठीभर लोगों ने शैलजा के साथ बदसलूकी की। जिसकी एफआईआर पुलिस ने दर्ज की है। इसमें उस पार्षद का नाम भी शामिल है, जो तमाम युवकों को हिन्दू मुसलमान का नारा देकर उकसा रहा था। अगले दिन राष्ट्रीय राजमार्ग

शेष पेज दो पर

लखानी शू कंपनी ने कर्मचारियों का बोनस हड़पा

संगठन के अभाव में मज़दूर बिखरे

फरीदाबाद, (म.मो.) सेक्टर 24 स्थित लखानी शू कंपनी में कर्मचारियों ने बोनस के मुद्दे पर बग़ावत कर दी लेकिन कंपनी मालिक ने उनके आंदोलन को कुचल दिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2019-20 का बीस फ़ीसदी की जगह दस फ़ीसदी बोनस देना मंज़ूर किया है। इस कंपनी में मज़दूर संगठन का अभाव है, इसलिए कर्मचारी अपने हक की लड़ाई लड़ने की जगह बिखर गये। इस बीच कंपनी ने दिवाली की छुट्टी घोषित कर उनके आंदोलन से अपना पीछा छुड़ा लिया है।

कंपनी के लगभग 3000 कर्मचारी कंपनी गेट पर धरना प्रदर्शन करते हुए इकठ्ठा हो गए और काम बंद कर दिया। कर्मचारियों की भीड़ 11 नवम्बर रात से ही कंपनी के गेट पर जमा थी। कंपनी ने बिना किसी नोटिस के हमेशा से मिलने वाले डबल बोनस को काट कर 10 प्रतिशत कर दिया। पिछले साल का बोनस इस साल देना है फिर भी कंपनी दिवाली आ जाने के बाद भी बोनस नहीं दे रही। आज से 15 दिन पहले तक कंपनी ने पूरा बोनस देने की बात की थी। पर अचानक ही कंपनी ने बिना किसी नोटिस के बोनस काट लिया।

शेष पेज चार पर